अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 23-12-2023

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–निर्जरा बंध मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) तीन निर्मल भाव कौन-कौन से हैं? स्पष्ट करें।

(ख) पादोपगमन अनशन किसे कहते हैं?

(ग) चार धनघाती कर्मों के क्षय से समुच्चय रूप से जीव के कितने व कौन-कौन से बोल उत्पन्न होते हैं?

(घ) शुक्लध्यान के कितने आलम्बन हैं? अर्थ सहित लिखें।

(ङ) चक्षुदर्शनावरणीय कर्म के क्षयोपशम से क्या उत्पन्न होता है?

(च) उपकरण अवमोदरिका के कितने व कौन-कौन से प्रकार हैं?

बंध–किन्हें दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) प्रकृति संक्रमण से क्या तात्पर्य है?

(ज) मोहनीय कर्म बंध के कौन-कौन से हेतु हैं?

(झ) भगवती सूत्र के अनुसार आयुष्य कर्म का अबाधाकाल और निषेक काल बताएं।

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(ञ) क्या सिद्ध सिद्धशिला पर रहते हैं?

(ट) सिद्धों के स्वाभाविक गुण कितने व कौन-कौन से हैं?

(ठ) एक समय में कितने नपुंसक, स्त्रियां व पुरुष सिद्ध हो सकते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) **निर्जरा**–क्षायिक भाव छह में कौन? नौ में कौन? विस्तार से लिखें।

अथवा

निर्जरा की एकान्त शुद्ध करणी क्या है?

(ख) **बंध व मोक्ष**–सिद्ध करें कि बंध पुद्गल की पर्याय है?

अथवा

दशवैकालिक सूत्र में सिद्धि का क्रम क्या रखा है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 24

(क) **निर्जरा**–उदीरणा की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखें कि क्या उदीरणा सभी कर्मों की संभव है?

अथवा

अंतराय कर्म के क्षयोपशम से जीव क्या प्राप्त करता है?

(ख) **बंध व मोक्ष**–कौन से गुणस्थान में कौन से बंध हेतु विद्यमान रहते हैं?

अथवा

सिद्ध जीव की अवगाहना कितनी होती है तथा सिद्ध जीव लोकाग्र पर जाकर क्यों रूक जाते हैं?

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में लिखें– 18

(क) द्रव्य करण किसे कहते हैं?

(ख) निघति व निकाचित में क्या अंतर है?

(ग) क्या जैन दर्शन पंचाग्नि तप को मान्यता देता है? स्पष्ट करें।

(घ) क्या चौदहवें गुणस्थान में जीव कर्ममुक्त हो जाता है?

(ङ) क्या कर्म के अशुभ फल को रोका जा सकता है?

(च) दो भाव कहां होते हैं?

(छ) कर्म रूपी व आत्मा अरूपी है, रूपी व अरूपी का सम्बन्ध कैसे संभव है?

(ज) साम्परायिक क्रिया का मुख्य हेतु क्या है?

(झ) क्या छद्मस्थ अकषायी होता है?

(ञ) क्या तप और निर्जरा एक है?

(ट) तीन भाव कहां होते हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 12

(क) क्या भाव शुभ अशुभ दोनों है? तथा मोक्ष मार्ग में भाव को अतिरिक्त महत्व क्यों दिया?

(ख) अबाधाकाल किसे कहते हैं? अबाधाकाल व सत्ता में क्या अंतर है?

(ग) कौन से गुणस्थान में कितने कर्मों का बंध होता है? तथा एक कर्म की वर्गणा अधिकतम कितने भव तक भोगी जा सकती है?

(घ) क्या ऐसी भी कोई कर्म प्रकृति है, जिसका बंध हुए अनंतकाल बीत गया? तथा कार्मण शरीर का संबंध आत्मा के साथ अनादिकाल से है। अनादिकाल से संबंधित इस शरीर का अलगाव कैसे होगा?

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) आचार्य डालगणी ने अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति के समय किस श्रावक से परामर्श लिया था? तथा वे कहां के निवासी थे?

(ख) पूजगुणी कृति के रचनाकार कौन थे? वे किस शहर में रहते थे?उनकी क्या जाति थी?

(ग) आराधक व अपरीत संसारी किसे कहते हैं?

(घ) विश्व के प्रसिद्ध कितने धर्मों में एक जैन धर्म है? इसका प्राचीन नाम क्या था?

(ङ) जैन संस्कार विधि में मुख्यतः कौन सी तीन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है?

(च) भगवान महावीर के प्रथम उत्तराधिकारी कौन थे? तथा भगवान महावीर ने किस सिद्धांत का निरूपण किया था?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) अपनी भूल का शोधन करने गौतम पुनः आनन्द के पास आते हैं–वह पद्य लिखें।

(ख) कच्चे धागे से बनी चालनी व कुएं से पानी निकालने वाले प्रसंग वाला–पद्य लिखें।

(ग) विशेष हित के प्रसंग में श्रावक भामाशाह बन जाता है–वह पद्य लिखें।

(घ) तेरापंथ धर्मसंघ के प्राण हैं संत भीखणजी–वह पद्य लिखें।

(ङ) स्वर्ण कंकण मुद्रिका के उदाहरण वाला पद्य लिखें।

(च) वह पद्य लिखें–जिसमें भगवान की आज्ञा ही धर्म है।